भारतीय जनता पार्टी

(केंद्रीय कार्यालय)
11, अशोक रोड, नई दिल्ली - 110001
फोन: 011-23005700, फैक्स: 011-23005787

05 अप्रैल, 2016

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह द्वारा असम के नलबाड़ी, धरमपुर, पलाशबाड़ी और मंगलदाई की रैली में दिए गए संबोधन के मुख्य बिंदु

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का सपना है - 'ए फॉर असम' और हम असम को देश का सबसे समृद्ध राज्य बनाने की परिकल्पना को साकार करने के लिए काम करना चाहते हैं: अमित शाह

****

पिछले 15 वर्षों में कांग्रेस ने केवल एक-दूसरे को लड़ाने का और तोड़ने का काम किया है, जबकि हमारा सपना एक विकसित और समृद्ध असम का है: अमित शाह

****

असम में पिछले 15 सालों से तरुण गोगोई ने राज्य की जनता की भलाई के लिए कुछ नहीं किया, बस जनता का पैसा खाकर अपनी तिजोरी भरने का काम किया है: अमित शाह

****

राज्य के विकास के लिए जो काम कांग्रेस 50 सालों में भी नहीं कर पाई, हम अगले पांच वर्षों में पूरा करके दिखाएंगें: अमित शाह

****

सोनिया जी असम के अपने चुनावी भाषणों में मोदी सरकार के 2 वर्षों का हिसाब तो मांगती हैं लेकिन असम को बदहाल करके रख देनेवाली कांग्रेस की तरुण गोगोई सरकार के 15 वर्षों के काले कारनामों का कोई जिक्र नहीं करती: अमित शाह

****

हम 50 सालों तक भी असम में विपक्ष में बैठ सकते हैं लेकिन बदरुद्दीन अजमल का समर्थन नहीं कर सकते: अमित शाह

****

गोगोई जी और बदरुद्दीन अजमल दिन में तो एक दूसरे के खिलाफ बयानबाजी करते हैं लेकिन रात में मिलकर सरकार बनाने की तैयारी करते हैं: अमित शाह

****

गोगोई जी और सोनिया जी की जोड़ी असम में होने वाले घुसपैठ को बंद ही नहीं करना चाहती, अगर उन्हें घुसपैठ पर रोक लगाना होता तो पिछले 50 वर्षों में यह काम हो गया होता: अमित शाह

****

यदि भाजपा-गठबंधन की सरकार असम में आयी तो बांग्लादेश के साथ राज्य की लगने वाली सीमा को इस तरह सील कर दिया जाएगा कि कोई परिंदा भी पर नहीं मार सकेगा: अमित शाह

****

गोगोई सरकार 50% से अधिक योजनाओं की वर्क कम्प्लीशन रिपोर्ट तक नहीं दे पाती तो ऐसे में असम की कांग्रेस सरकार से राज्य के विकास की अपेक्षा ही कैसे की जा सकती है: अमित शाह

****

असम में यदि भाजपा गठबंधन की सरकार बनती है तो हम विकास को राज्य के घर-घर तक पहुंचाएंगे और जनता को एक-एक पैसे का हिसाब देंगें: अमित शाह

****

कच्छ हो या गुवाहाटी, अपना देश अपनी माटी: अमित शाह

****

यदि असम की पारम्परिक लोक संस्कृति के विकास के लिए राज्य सरकार एक वैश्विक मंच मुहैय्या कर पाती तो असम भारत के सबसे महत्त्वपूर्ण पर्यटन केंद्रों में से एक होता: अमित शाह

****

विकास क्या होता है और कैसे होता है, यह भाजपा शाषित राज्यों ने करके दिखाया है। विकास को हर गाँव तक, हर गरीब तक पहुँचा कर हमने विकास का एक नया मानक स्थापित किया है: अमित शाह

****

कांग्रेस विकास कर ही नहीं सकती, अगर असम को विकास के पथ पर गतिशील करना है तो राज्य में भाजपा गठबंधन की सरकार बनानी पड़ेगी: अमित शाह

****

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष, श्री अमित शाह ने आज, मंगलवार को असम के नलबाड़ी, धरमपुर, पलाशबाड़ी और मंगलदाई में विशाल जनसभाओं को संबोधित किया और राज्य की जनता से भ्रष्टाचारी कांग्रेस की तरुण गोगोई सरकार को जड़ से उखाड़ कर श्री सर्बानंद सोनोवाल के नेतृत्व में भाजपा-नीत गठबंधन की सरकार बनाकर एक मजबूत और विकसित असम के नवनिर्माण का आह्वान किया।

भाजपा अध्यक्ष ने कांग्रेस पर करारा हमला जारी रखते हुए कहा कि **असम में पिछले 15 सालों से तरुण गोगोई ने राज्य की जनता की भलाई के लिए कुछ नहीं किया, बस जनता का पैसा खाकर अपनी तिजोरी भरने का काम किया है।** उन्होंने कांग्रेस अध्यक्षा सोनिया गांधी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि **सोनिया जी असम के अपने चुनावी भाषणों में मोदी सरकार के 2 वर्षों का हिसाब तो मांगती हैं लेकिन असम को बदहाल करके रख देनेवाली कांग्रेस की तरुण गोगोई सरकार के 15 वर्षों के काले कारनामों का कोई जिक्र नहीं करती।** उन्होंने कांग्रेस को ललकारते हुए कहा कि 2019 में जब हम जनता के बीच आएंगें तो हम एक-एक वोट का हिसाब जनता को देंगें, आपको हिसाब मांगने की कोई जरूरत ही नहीं पड़ेगी, अभी तो जनता आपसे जवाब मांगती है कि **आखिर क्यों पिछले 15 सालों से राज्य में कांग्रेस की ही तरुण गोगोई सरकार तथा 10 वर्षों तक असम से ही प्रधानमंत्री रहने के बावजूद असम विकास के दौर में पिछड़ता ही चला गया?** उन्होंने कहा कि असम में अभी भी एक करोड़ से अधिक लोग गरीबी रेखा से नीचे गुजर-बसर करने को मजबूर हैं, लोगों के पास पीने योग्य पानी नहीं है, बिजली नहीं है, स्कूल और अस्पताल नहीं है, सड़कें नहीं है लेकिन असम की गोगोई सरकार इस सब से बेपरवाह है। श्री शाह ने कहा कि **केंद्र सरकार असम के विकास के लिए अरबों - खरबों रूपया देती है लेकिन राज्य सरकार इसका हिसाब भी नहीं दे पाती।** उन्होंने कहा कि **गोगोई सरकार 50% से अधिक योजनाओं की वर्क कम्प्लीशन रिपोर्ट तक नहीं दे पा रही तो ऐसे में असम की कांग्रेस सरकार से राज्य के विकास की अपेक्षा ही कैसे की जा सकती है?** उन्होंने कहा कि **राज्य में यदि भाजपा गठबंधन की सरकार बनती है तो हम विकास को राज्य के घर-घर तक पहुंचाएंगे और जनता को एक-एक पैसे का हिसाब देंगें।** उन्होंने गोगोई सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि असम की कांग्रेस सरकार ने राज्य की लोक संस्कृति को भी बढ़ावा देने की कोई पहल नहीं की। उन्होंने कहा कि **यदि असम की पारम्परिक लोक संस्कृति के विकास के लिए राज्य सरकार एक वैश्विक मंच मुहैय्या कर पाती तो असम भारत के सबसे महत्त्वपूर्ण पर्यटन केंद्रों में से एक होता।**

श्री शाह ने तरुण गोगोई सरकार को सच्चाई का आईना दिखाते हुए कहा कि **विकास क्या होता है और कैसे होता है, यह भाजपा शाषित राज्यों ने करके दिखाया है।** उन्होंने कहा कि **विकास को हर गाँव तक, हर गरीब तक पहुँचा कर हमने विकास का एक नया मानक स्थापित किया है।** श्री शाह ने कहा कि हम राज्य में विकास लाना चाहते हैं, अच्छी शिक्षा की व्यवस्था करना चाहते हैं, राज्य को बाढ़ से मुक्ति दिलाना चाहते हैं, घर-घर बिजली और शुद्ध पीने योग्य पानी पहुंचाना चाहते हैं, दवाई और अस्पताल की व्यवस्था करना चाहते हैं, **हमारा सपना है - 'ए फॉर असम' और हम असम को देश का सबसे समृद्ध राज्य बनाने की परिकल्पना को साकार करने के लिए काम करना चाहते हैं।** उन्होंने कहा कि **पिछले 15 वर्षों में कांग्रेस ने केवल एक-दूसरे को लड़ाने का और तोड़ने का काम किया है, जबकि हमारा सपना एक विकसित और समृद्ध असम का है।** उन्होंने कहा कि **कांग्रेस विकास कर ही नहीं सकती, अगर असम को विकास के पथ पर गतिशील करना है तो राज्य में भाजपा गठबंधन की सरकार बनानी पड़ेगी।**

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि हम असम की अस्मिता और यहाँ के लोगों के अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं, **हम हर परिस्थिति में असम की जनता के साथ खड़े हैं - कच्छ हो या गुवाहाटी, अपना देश अपनी माटी।** राज्य में घुसपैठ की समस्या पर कांग्रेस को आड़े-हाथों लेते हुए भाजपा

अध्यक्ष ने कहा कि **गोगोई जी और सोनिया जी की जोड़ी असम में होने वाले घुसपैठ को बंद ही नहीं करना चाहती, अगर उन्हें घुसपैठ पर रोक लगाना होता तो पिछले 50 वर्षों में यह काम हो गया होता।** उन्होंने कांग्रेस अध्यक्षा सोनिया गांधी और उपाध्यक्ष राहुल गांधी को खुली चुनौती देते हुए कहा कि अगर उनमें हिम्मत है तो बस एक बार वह यह तो बोलें कि वे असम में घुसपैठ पूरी तरह से रोक देंगें। श्री शाह ने कहा कि **श्रीमती सोनिया गांधी और श्री राहुल गांधी ऐसा नहीं बोल सकते क्योंकि कांग्रेस को हमेशा इसमें वोट बैंक की राजनीति ही नजर आती है।** श्री शाह ने कहा कि **केंद्र में मोदी और असम में सर्बानंद, मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि बांग्लादेश के साथ राज्य की लगने वाली सीमा को इस तरह सील कर दिया जाएगा कि कोई परिंदा भी पर नहीं मार सकेगा।** एआईयूडीएफ के चीफ बदरुद्दीन अजमल और तरुण गोगोई के अघोषित एवं अनैतिक गठजोड़ पर करारा प्रहार करते हुए भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि **गोगोई जी और अजमल दिन में तो एक दूसरे के खिलाफ बयानबाजी करते हैं लेकिन रात में मिलकर सरकार बनाने की तैयारी करते हैं।** उन्होंने जनता को आगाह हुए कहा कि वे किसी भी बहकावे में ना आएं, **हम 50 सालों तक भी असम में विपक्ष में बैठना मंजूर कर सकते हैं लेकिन बदरुद्दीन अजमल का समर्थन नहीं कर सकते।** उन्होंने जोर देते हुए कहा कि **बदरुद्दीन अजमल को यदि कोई पार्टी रोक सकती है तो वह केवल भारतीय जनता पार्टी है।**

श्री शाह ने कहा कि **प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी असम के विकास के लिए बहुत कुछ करना चाहते हैं, वह यहां के युवाओं को इतना ताकतवर बनाना चाहते हैं कि वे विश्व के युवाओं से हर क्षेत्र में मुकाबला कर सकें, लेकिन इसके लिए असम में एक ऐसी सरकार की जरूरत है जो प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विकास के सपनों के साथ कंधे-से-कंधा मिलाकर काम कर सके, जनता को पाई-पाई का हिसाब दे सके और राज्य की जनता की भलाई के लिए अनवरत काम कर सके।** उन्होंने कहा कि ऐसा केवल और केवल भारतीय जनता पार्टी की सरकार ही कर सकती है। उन्होंने कहा कि अगर राज्य में सही तरीके से काम करनेवाली सरकार आई तो असम अगले पांच वर्षों में भारत का सबसे समृद्ध राज्य बन सकता है।

भाजपा अध्यक्ष श्री अमित शाह ने जनता से अपील करते हुए कहा, "आप श्री सर्बानंद को राज्य का मुख्यमंत्री बनाइये और असम को विकास के पथ पर अग्रसर कीजिये। मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि **राज्य के विकास के लिए जो काम कांग्रेस 50 सालों में भी नहीं कर पाई, हम अगले पांच वर्षों में पूरा करके दिखाएंगें।** अगले पांच वर्षों में हम असम को देश का सबसे समृद्ध राज्य बनाकर आपको समर्पित करेंगें।" उन्होंने जनता से अपील करते हुए कहा कि **अगर आपको भूपेन दा के सपनों का असम बनाना है तो आप भूपेन दा की सलाह मानें, पुरानी सरकार बदलें और भाजपा की सरकार लाएं।** उन्होंने जनता को पहले मतदान, फिर जलपान का नारा देते हुए कहा कि **आप इस चुनाव में इतने जोर से बटन दबाएं कि बटन तो यहां दबे लेकिन करंट इटली में लगे।**

(इंजी. अरुण कुमार जैन)
कार्यालय सचिव